

प्रेषक,

अतर सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग— 5

देहरादून,

दिनांक: 20 जुलाई, 2016

विषय: मुख्य चिकित्साधिकारी, रुद्रप्रयाग के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु प्रस्तुत डी0पी0आर0 की प्रशासनिक एवं स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-7प/1/26/2011/6626 दिनांक 21 मार्च, 2016 एवं शासनादेश संख्या-1685/XXVIII-5-2011-111/2011 दिनांक 01 दिसम्बर, 2011 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मुख्य चिकित्साधिकारी, रुद्रप्रयाग के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु विस्तृत आगणन की अनुमोदित लागत ₹365.26 लाख (सिविल कार्यों हेतु ₹345.24 लाख तथा अधिप्राप्ति सम्बन्धी कार्यों के लिए ₹20.02 लाख) पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में संगत मद में उपलब्ध ₹16.67 लाख (रुपये सोलह लाख सत्सठ हजार मात्र) निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि परियोजना प्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, श्रीनगर गढवाल को उपलब्ध कराई जायेगी।
2. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
3. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
4. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्यस्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाये।
5. यदि विभिन्न मदों हेतु स्वीकृत धनराशि अवशेष रहती है तो उक्त धनराशि द्वितीय चरण के आगणन में समायोजित की जाय।
6. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित की जाय।
7. प्रथम चरण के कार्य हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में उपलब्ध कराई गई डिजायन/मानक पूर्णरूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है, या वर्तमान कार्य में एक भाग की डिजायन/मानक पूर्णरूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्ययता की दृष्टिगत रखते हुए तदनुसार कार्यवाही की जाय।

(2)

8. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित किया जाय तथा कार्य के सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था के साथ वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर नियमानुसार एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित किया जायेगा। कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए कार्य को निर्धारित समयसारिणी के अनुसार समयबद्ध रूप से पूर्ण कराकर भवन विभाग को हस्तगत कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। विलम्ब या अन्य किसी दशा में आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
9. उक्त के संबंध में होने वाला व्यय आय-व्ययक 2016-17 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय, आयोजनागत, 01-शहरी स्वास्थ्य सेवाये, 110-अस्पताल तथा औषधालय 21-सी0एम0ओ0 कार्यालय भवन का निर्माण 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशा संख्या-47(P)/XXVII(3)/2016-17 दिनांक 19 जुलाई, 2016 में प्राप्त सहमति से निर्गत किया जा रहा है।
संलग्न: अलॉटमेंट आई0डी0-S1607120146

भवदीय,
(अतर सिंह)
संयुक्त सचिव।

संख्या-8/9 (1)/XXVIII-5-2016-111/2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. कमिश्नर, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी गढ़वाल।
5. जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
6. मुख्य चिकित्साधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
7. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/टिहरी गढ़वाल।
8. परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, टिहरी गढ़वाल।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी01
11. मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(दिनेश यादव)
अनु सचिव।